

**MR. SPEAKER:** How can he reply after I have declared that Question Hour is over?

**SHRI SONAVANE:** The Question Hour is over. Why should he insist like this?

**MR. SPEAKER:** I am very sorry. The Question Hour is over. We now pass on the Short Notice Question.

### SHORT NOTICE QUESTION

**खगसराय तथा बेगूराय में बाढ़**

**SNQ. 12. श्री कामेश्वर सिंह :** क्या सिंचाई तथा विद्युत मंत्री यह बातने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान खगरिया कस्बे में बाढ़ की स्थिति तथा गंगा और कोसी नदियों की बाढ़ से खगरिया और बेगूसराय सब-डिविजनों में हुई तबाही की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ; और

(ग) बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण के लिये कुल कितनी धनराशि मंजूर की गई है ?

**सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) :**

(क) से (ग) : विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

### विवरण

(क) से (ग) बिहार की सरकार ने सूचित किया है कि मुंगेर जिले के खगरिया और बेगूसराय उपमंडल गंगा की उच्च बाढ़ों से ग्रस्त हो गये हैं । इन दोनों उप-मंडलों में लगभग 4 लाख की जनसंख्या वाले 450 गावों में 1,29,500 हेक्टेयर क्षेत्र बाढ़ों से प्रभावित हुआ जिस में लगभग

8000 हेक्टेयर फसली क्षेत्र भी शामिल है । मुंगेर जिले के 411 मकानों को भी क्षति पहुंची है ।

खगरिया शहर को जो एक तटबंध द्वारा रक्षित है, कोई क्षति नहीं पहुंची है । तटबंध अक्षत है यद्यपि दरारों से, जिन्हें अब रेत के बोरों से बन्द कर दिया गया है, पानी का कुछ प्रभाव हुआ था । गंगा नदी का स्तर 25 अगस्त 1948 के उच्चतम बाढ़ स्तर अर्थात् 37.856 मीटर से 0.32 मीटर ऊंचा था । पानी का स्तर 27 अगस्त को 15 सेंटीमीटर नीचे उतर गया था । स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है और सभी सुरक्षात्मक उपाय किये जा रहे हैं ।

बाढ़ का उमड़ा पानी मुंगेर की कुछ निम्नवर्ती बस्तियों में घुसा जो कि बाढ़ों में एक सामान्य सी बात है । बहरहाल, 25 अगस्त से पानी का उतरना आरम्भ हो गया है । समाचार पत्रों में इस बात की गलत रिपोर्ट की गई थी कि मुंगेर के बिजली घर में बाढ़ का पानी आ गया था । बिजली घर नहीं चल रहा था क्यों कि मुंगेर को बिजली की सप्लाई ग्रिड से मिल रही है । तटबंधों पर राज्य सरकार द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है । साहिबपुर कमाल के निकट राष्ट्रपथ के ऊपर से पानी गुजर जाने के कारण यातायात में गड़बड़ी आ गई थी और राज्य सरकार ने भी सभी सम्भव सुरक्षात्मक उपाय किये हैं । सड़क तटबंध के साथ साथ इस समय पानी का कोई अनुभाव्य प्रवाह नहीं है और सड़क पर हल्की गाड़ियों के आने जाने की इज्जाजत दे दी गई है । यदि गंगा के पानी में उतार जारी रहा तो उम्मीद की जानी है कि एक या दो दिनों में सड़क खुल जायेगी । क्योंकि उपरी पहुंचों में गंगा की बाढ़ों में उतार आ रहा है इसलिये यह उम्मीद है कि खगरिया और बेगूसराय भी जोकि नदी की निम्नतर पहुंचों में स्थित हैं बाढ़ों से उत्पन्न तनाबों से भी दूर ही छुटकारा पा लेंगे ।

### सहायता के उपाय

मुंगेर का जिला गंगा की बाढ़ों के आगे भ्रवाड़-मुख है। राज्य सरकार ने इस वर्ष बाढ़ के राहतकारी अभियानों को तेज कर दिया है। बाढ़ के पानी में उतार 25 अगस्त से आरम्भ हुआ।

मुंगेर जिले के पानी से घिरे गांव में से लगभग 25,000 लोगों और 3000 मवेशियों को बचाने के लिये दो स्टीमर और 500 नौकाओं को काम में लाया गया। बचाए गए लोगों को 50 सहायता शिवरों में स्थान दिया गया है और उन्हें मुफ्त राशन दिया गया है। 6000 क्विंटल अनाज मुफ्त बांटा गया है। और यह वितरण उतनी देर तक जारी रहेगा जितनी देर तक आवश्यक समझा जायेगा।

मुंगेर जिले के हैजा के 6 मामलों की सूचना मिली है ( उनमें से कोई भी मामला खगरिया अथवा वेगुसराय से सम्बन्ध नहीं रखता ) स्थिति नियंत्रण में है और मानव जीवन अथवा मवेशियों को ग्रस्त करने वाली कोई महामारी नहीं फैली है। रोधात्मक उपायों के रूप में 100% टीके लगाये गये हैं। और विटामिन की टिब्रिकायां बाटी गई हैं। 40,000 कुओं का रोगाणुनाशन भी किया गया है तथा लोगों और पशुओं के लिये 68 चिकित्सा केन्द्र खोले गये हैं।

राज्य सरकार ने मुंगेर जिला समेत बाढ़-प्रभावित क्षेत्रों में आपत्कालीन उपायों पर व्यय के लिए 24 लाख रुपये अलॉट किये गये हैं। जिला के मजिस्ट्रेटों को यह अधिकार दे दिया गया है कि सरकार की मंजूरी के लिये प्रतीक्षा किये बिना यह यथावश्यक कोई भी रकम खर्च कर सकते हैं।

**श्री कामेश्वर सिंह :** मैं प्रश्न पूछने से पहले मंत्री महोदय का ध्यान उस वक्तव्य की ओर दिलाना चाहता हूँ जो कि उन्होंने

सदन पटल पर रखा है। बिहार से जो भी रपट उनके पास आई है उसमें कई गलतियां हैं। वहां की सारी स्थिति को छिपाने की कोशिश की गई है उसमें लिखा है कि :

This flood has affected an area of 1,29,500 hectares in 450 villages with a population of 64 lakhs in these two subdivisions. 411 houses have been damaged in Monghyr district.

यह कहते हैं कि सारे मुंगेर डिस्ट्रिक्ट में 411 मकान गिर गये हैं जब कि सत्य यह है कि एक ब्लाक एरिया में सात-आठ सौ मकान गिर गये हैं। कल के सर्वेज़ाइट की रिपोर्ट है कि : Nearly 780 houses in the Sahabpurkamal block have been damaged.

जब कि एक ब्लाक में 708 मकान गिरे हैं तब यह कहते हैं कि सारे जिले में 411 मकान गिरे हैं। यह सफेद झूठ है। इसके अलावा स्टेटमेंट में यह भी लिखा है कि कहीं भी कालरा नहीं फैला है कोई बीमारी नहीं हुई है मैंने प्रश्न पूछा था उत्तरी मुंगेर के खगरिया और वेगुसराय सबडिविज़नों के लिये। वहां की बातों को छिपाने के लिये मुंगेर के अन्य भागों का विवरण इस में दिया गया है। मैं स्वयं चार पांच दिन हुए खगरिया से आया हुआ हूँ। उस समय भी लोगों के पेट खराब हो रहे थे और हैजा फैलने की आशंका थी तथा दूसरी बिमारियां भी फैल रही थी लोग सड़े हुए अनाज खा रहे थे। मैंने मंत्री महोदय को सड़ा हुआ अनाज दिखाया और कहा कि इस की डाक्टरों जांच करवाये तथा पता लगाये कि वह आदमी के खाने के काबिल है या नहीं। इतना होने के बाद भी वहां कोई रिलीफ का काम नहीं चल रहा था। स्टेटमेंट में यह भी दिया हुआ है कि इस काम के लिये वहां काफी नावें मौजूद हैं जब कि इंडियन नेशन में निकला है कि :

Boats are not available for the relief work. A few that some BDOs had in Begusarai and Khagaria subdivisions are not in a position to cope with the situation.

साफ समाचार है कि नावें कम हैं फिर भी वक्तव्य में आता है कि वहां पर काफी नावें हैं। मेरे कहने का मतलब यह नहीं है कि मंत्री महोदय यहां झूठ बोल रहे हैं। उनके पास बिहार से रिपोर्ट गलत आई है। इस बात की जांच करवाई जानी चाहिये और जो अधिकारी गलत रिपोर्ट देने हैं बाढ़ के बारे में उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिये। यहां पर तो कुछ पता लगता नहीं, किन्तु यदि उसको कोई देखे तो साफ पता लग जायेगा कि 1948 में जो बाढ़ आई थी उससे भी भयानक यह बाढ़ है। नेशनल हांड वे न० 31 असम से हिन्दुस्तान में आने के लिये रोड द्वारा एक ही रास्ता है, उस पर बहुत पानी है। वहां के लिये भी कहा गया है कि 4 या 6 इंच पानी है, जब कि वहां पर डेढ़ फीट पानी है। जिस दिन मैं आया था उस दिन वहां सड़क पर एक फीट पानी था। उसकी सूचना भी मैंने सब लोगों को दे दी है। आप को भी उस के बारे में मालूम होगा। क्या मंत्री महोदय मुझे यह बतलाने का कष्ट करेंगे कि बाढ़ वाले इलाके में जितनी बस्तियां बसी हुई हैं उनको बाढ़ के इलाके से बाहर निकालने के लिये वह क्या कार्यवाही करेंगे? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूँ कि अब तक वहां पर जो रिलीफ मेजर्स लिये गये हैं उन में केन्द्रीय सरकार कितना रूपया महायता के रूप में देगी।

**THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (DR. K. L. RAO):** The information that I have given is based on the report given by the Bihar Government. There is nothing further that I can add here. With regard to the suggestion of the hon. Member in regard to the colony being shifted, I shall ask the Bihar Government to study the questions and send us also a proposal so that we may take action. With regard to the funds there is a procedure which is usually followed. When the floods recede and the damages are known, the Bihar Government will send a request to the Central Government, and the

Central Government will send a team and they will assess and then the amount of money needed for relief will be given.

**श्री कामेश्वर सिंह :** अभी अभी मंत्री महोदय ने कहा कि बिहार की सरकार कहती है। लेकिन आज तो वहां केन्द्रीय सरकार का शासन है। वहां पर राष्ट्रपति का शासन है। आज बिहार में भारत सरकार का उत्तरदायित्व है। अगर वहां कोई पापुलर गवर्नमेंट होनी जनता द्वारा एलेक्टेड तो यह हालत न होनी। पिछले साल भी वहां बाढ़ आई थी। उस से पहले भी वहां बाढ़ आई थी। हमारे मंत्री महोदय ने अपने स्टेटमेंट में लिखा है कि :

“The State Government have allotted Rs. 24 lakhs for expenditure in connection with flood emergencies in the areas affected by flood including Monghyr district.”

सारे बिहार के लिये 24 लाख रु० अलाट किया गया है, जब कि वहां जाने से यह पता लगेगा कि यह अब तक का वर्स्ट फ्लड है। लेकिन अब तक किसी ने भी हवाई जहाज से वहां जा कर देखने का कष्ट नहीं किया है। मेरे कहने का अभिप्राय है कि बिहार से उन के पास सारी रपट गलत आई है इस लिये वह अविलम्ब कार्यवाई करें। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या वह यहां से कोई टीम भेजेंगे जो कि सारी बानों की जांच करे और पता लगाये कि इस रपट में जो बानें दी हुई हैं वह सही है या गलत हैं, और क्या वह लोगों को अधिक से अधिक सुविधायें देने का प्रबन्ध आने वाले दिनों में करेंगे ?

**DR. K. L. RAO:** The Bihar Government have given instructions to the district magistrates to spend all the money that is required for relief measures, without waiting for sanction. The amount of Rs. 24 lakhs is not necessarily the limit. They can

spend even beyond Rs. 24 lakhs. Whatever money is required by the district collectors will be given.

With regard to the question about the team, naturally, the team will go into the various aspects and their findings will be given due weight by the Centre when financial assistance is given.

I do not think that there is anything more that I can add to this.

**श्री कामेश्वर सिंह :** मेरा प्रश्न यह था कि क्या मंत्री महोदय यहां से कोई टीम भेजेंगे, इन बातों की जांच करने के लिये और अगर भेजेंगे तो कब तक ?

**श्री मधु लिमये :** मेरे इलाके में बाढ़ आई है । मैं वहां का प्रतिनिधि हूं ।

**SHRI S. KUNDU:** The hon. Member had asked a specific question as to when the study team will go. That question has not been answered.

**MR. SPEAKER:** The hon. Member Shri Kameshwar Singh had clubbed together so many questions in his first supplementary question. I am sorry I cannot allow him again now.

As far as the other Members who are rising are concerned, I would say that those Members who are concerned with the two towns mentioned in the question, namely Khagaria and Begusarai may put their questions. I do not think that the other Members should be interested in this.

**SHRI JYOTIRMOY BASU:** The same river flows into my State also and it has cause severe damage in Bengal also. I shall satisfy you before you give me a chance as to how I am vitally involved.

**MR. SPEAKER:** I think supplementary questions should be confined to those Members who come from those areas. Why should the other people get up? How is Shri Vikram Chand Mahajan interested in this?

**SHRI VIKRAM CHAND MAHAJAN:** May I know whether this is the first time that floods have come in the Khagaria town, and if not, what specific measures were taken before to prevent damage due to floods in that town, and how the damage has been caused again now?

**DR. K. L. RAO:** Necessary relief measures have been taken in this area. Khagaria town has been embanked and it has not been affected by floods so much now as before. Similarly, in regard to the Mansi also, very good protective measures have been taken, and erosion due to floods has been prevented.

**MR. SPEAKER:** I had not allowed that question. Why is the hon. Minister answering it?

**DR. K. L. RAO:** . . . The floods have been receding and today, trucks are going along the national highway there.

**MR. SPEAKER:** I was telling the hon. Member, that the hon. Minister had already replied to it, and hence there was no need to reply. And yet, the hon. Minister has gone on answering it.

**SHRI INDRAJIT GUPTA:** Will that reply be expunged now?

**MR. SPEAKER:** Let us see if such a thing comes up again.

**श्री मधु लिमये :** यह सवाल मुंगेर जिले के बारे में है । गंगा के उत्तर में असम रोड और दक्षिण में पटना भागलपुर रोड है । इसके बीच का जो इलाका है इस में जबर्दस्त बाढ़ आई है । ऐसी बाढ़ पिछले दस बारह सालों में पहले कभी नहीं आई थी । चौदह तारीख से मैं यह सवाल उठा रहा हूं । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस इलाके के बाढ़ग्रस्त लोगों के लिए राशन, कपड़ा, नावें और दवाइयों का आप क्या इंतजाम कर रहे हैं ?

इस इलाक़ में मकई की जो फसल थी वह पूर्णतया नष्ट हो गई है । लोगों को खड़ा होने के लिए जगह नहीं है । आप क्या तत्काल कोई इलाज करेंगे ताकि जनता को राहत मिले और एक दूसरी बात भी है । जब पक्के मकान, सिमेंट कनक्रीट के मकान गिर जाते हैं तो आप मानते हैं कि मकान गिर गए हैं लेकिन जब झोंपड़ियां झोंपड़ियां बह जाती हैं तब आप इसको मानने के लिए तैयार नहीं होते हैं । मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ऐसी योजना बनायेगी ताकि जिन की झोंपड़ियां खत्म हो चुकी हैं, उनको झोंपड़ियां बनवा कर देने का इंतजाम किया जाए ? इस काम को आने वाले सात दिनों में आप पूरा करने को तैयार हैं ?

DR. K. L. RAO: I have given all this information in the statement. The Bihar Government have stated that they are taking all the necessary measures. They are giving free food, and they have evacuated people by boats and by other methods; the people who have been marooned have been evacuated, and people who have lost their houses have been given money, and they have also passed a rule that the district collectors need not wait for any sanction but they can take immediate steps and incur any amount of expenditure. That is what the Bihar Government have stated, and, therefore, it is not correct to say that sufficient steps have not been taken.

**श्री रामावतार शास्त्री :** बिहार में जितनी भयंवर बाढ़ इस साल आई इसको सभी लोग जानते हैं, मंत्री महोदय भी जानते हैं । यह प्रश्न खगरिया और बेगूसराय इलाकों के बारे में है । आप इसको भी जानते ही हैं कि वहां फसल बरबाद हो गई है और किसानों के पास खाने तक के लिए नहीं है । इस वास्ते मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार जिन इलाकों में बाढ़ आई है वहां के किसानों की माल गुजारी

माफ करने के लिए बिहार सरकार को आदेश देगी ? यह मेरा स्पेशल फोक सवाल है । अभी वहां मालगुजारी बसूल की जा रही है । मैं स्पष्ट जानना चाहता हूँ कि इस तरह के आदेश देने का सरकार विचार रखनी है या नहीं रखनी है ?

DR. K. L. RAO: It is true that the crops are damaged and the farmers have suffered. They should have remission. I will pass on the suggestion to the Bihar Government.

**श्री न०ता० दास :** यह ठीक है कि मुंगेर जिला आक्रान्त है और वहां बाढ़ का पानी घुस आया है । निचले जो हिस्से हैं वे आक्रान्त हैं यह ठीक है । लेकिन मुफसिल थाना, सूरजगढ़ थाना, लखीसराय थाना और बरठैया थाना ये जो चार थाने हैं इनके बहुत से गांव जो गंगा के किनारे थे कट गए हैं, बह गए हैं । इन थानों के लोगों को बसाने के लिए क्या प्रबन्ध किया जा रहा है यह मैं आपसे जानना चाहता हूँ ।

DR. K. L. RAO: It is true that these areas have been flooded and there has been waterlogging. Many villages have been washed out. The only thing we can do in that area, in Monghyr, is to construct an embankment between the river Ganga and the road. We are going to investigate that.

**श्री केदार पासवान :** हमको आप, बुलाते ही नहीं हैं । हम पीछे बैठे हुए हैं, हमारी तरफ आपकी निगाह ही नहीं पड़नी है ।

**अध्यक्ष महोदय :** आपकी तरफ भी, बाकायदा देखता हूँ । हर रोज यह सवाल किसी न किसी जिले को लेकर आ जाता है । हमने आज एडजर्न होना था । लेकिन कल का दिन हम और बैठ रहे हैं और इसी वास्ते बैठ रहे हैं कि इस पर बहस भी करनी है कल इस पर बाकायदा बहस

होगी। मैं थाकायदा देख रहा हूँ कि किन मेम्बरज ने शार्ट नोटिस क्वेश्चन में समय मिला है और किन को नहीं मिला है। जिन को नहीं मिला, उनके भी नाम मैं नोट करता जाता हूँ। मैं कोशिश करूँगा कि जो सहिमान उठते हैं और जिन को मौका नहीं मिल पाता है उनको कल मौका मिल जाए। आप धबराइये नहीं। सब के नाम नोट किये जा रहे हैं। आप तो बहुत पीछे हैं, आपका सबसे पहले मिलेगा।

**SHRI RANGA:** You are right in saying that you have given us one full day to discuss this matter. At the same time, the hon. Minister has been accepting some short notice questions and refusing to accept some others. From my own party, we had tabled a short notice question in regard to the flood havoc in Rajasthan. I do not know on what grounds he has refused to accept our short notice questions while he has gone on accepting all these days, day after day, short notice questions about flood havoc in other areas. Is it because Rajasthan is suffering less than other areas? What is the criterion?

**MR. SPEAKER:** I am also put in a difficulty. We have allotted a day for debate on this subject. Still I am very sorry to say that questions are being sent every day. How I can help to save the time of the House in this manner?

**श्री लखन लाल कपूर :** मैं अभी रात ही उस इलाके से, मुंगेर जिले से, लौट कर आया हूँ। 1948 के बाद गंगा, गंडक और कोसी इत्यादि नदियों में पहली बार इतनी भयंकर बाढ़ आई है। उस क्षेत्र में एक दो नहीं, हजारों गांव जलमग्न हैं और लाखों लाख आदमी बेघरबार हो गये हैं। उन्हें नेशनल हाई वे नम्बर 31 पर भी जगह नहीं मिल रही है। मैंने अपनी आंखों से देखा है कि जो अफसरान वहाँ काम कर रहे हैं, उन के पास नावें नहीं हैं, और लोगों को पहुँचाने के लिये राशन की व्यवस्था नहीं है। उन

लागां का केरोमीन आयल, कपड़ा, दियासलाई और मँडी तन्ज दी जाना चाहिए। लेकिन वहाँ पर बिलकुल अर्थात् साधन हैं। सरकार ने जो जवाब दिया है, वह शर्त प्रतिशत गलत है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि जिन गरीब लोगों के गांव जलमग्न हैं, जिन के मकान और झोपड़े बह गये हैं, जो बेघरवार और बेरोजगार हो गए हैं, उन को तत्कालिक तौर पर खाने, पीने के सम्बन्ध में सहायता देने और उनकी अन्य कमियाँ को पूरा करने के बारे में सरकार क्या कदम उठा रही है।

बाढ़ को रोकने के लिये और आईन्वा साल बाढ़ के आने से पहले ही प्राकाशनरी मेजर्ज के रूप में सरकार क्या कार्यवाही करने जा रही है? पार साल अक्टूबर में जो बाढ़ आई थी, उस के बाद राज्य सरकार और केन्द्रीय सरकार के उन कर्मचारियों के लिए, जिनके घर वहाँ पड़ते हैं और खेती वहाँ होती है, केन्द्रीय सरकार ने बाढ़ रिलीफ लोन का व्यवस्था की थी। मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस साल इतनी भयंकर बाढ़ के बाद क्या केन्द्रीय सरकार अपने और राज्य सरकार के कर्मचारियों के रिलीफ के लिए तत्काल, एक हफ्ते में, लोनज की व्यवस्था करने जा रही है या नहीं।

**DR. K. L. RAO:** I will pass on the various suggestions made by the hon. member to the Bihar Government. With regard to the flood control measures, I do not know what area exactly he has referring to. If he is referring to Khagaria and Begusarai sub-division, I have already mentioned the measures that are being taken. As I said, we would try to strengthen the embankment at Khagaria. We are trying to put another embankment between Highway No. 31 and the River Ganga. These are some of the measures we have been thinking of *Inter-ruptions*).

**SHRI JYOTIRMOY BASU:** The same river Ganga has flooded the whole of North Bengal and Murshidabad district. In the circumstances

will the Minister tell us how much money they are going to allocate for flood relief and also for irrigational and engineering works for the flood-affected areas of North Bengal and West Bengal?

DR. K. L. RAO: Malda and Murshidabad districts being at the very end of the Ganga, they have received the full impact of the floods. I am glad to say that I have got a telegram this morning that the Ganga is receding at Farakka. The amount of money that will be given will depend on the relief operations.

**श्री बि० प्र० मण्डल :** इस किस्म की बाढ़ बिहार में अभी तक नहीं आई है। बिहार इस समय प्रोजेक्ट रूल के अधीन है, जिससे केन्द्रीय सरकार की जावाबदेही और भी बढ़ जाती है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि अभी तक बाढ़ से प्रभावित कितने बेघर लोगों को घर देने का प्रबन्ध किया गया है, कितने भूखे आदिमियों के खाने का प्रबन्ध किया गया है और कितने बेरोजगार लोगों को रोजगार दिया गया है।

DR. K. L. RAO: I have already given the figures.

**SHRI B. P. MANDAL:** Sir, I want a specific answer to my question.

**MR. SPEAKER:** That question was asked earlier and he has answered it.

**SHRI KARTIK ORAON:** I am yet to find any person or any government which can be held responsible for floods....

**MR. SPEAKER:** I will not allow any general questions.

**SHRI KARTIK ORAON:** What is the amount that is ear-marked for river training and flood control for all the rivers in India?

**MR. SPEAKER:** Can he expect a reply from the hon. Minister to such a general question?

**SHRI KARTIK ORAON:** Sir, you allow others to ask such questions, but not me.

DR. K. L. RAO: The amount of money provided in the Fourth Plan for this is about Rs. 100 crores.

**श्री गुणानन्द ठाकुर :** उत्तरी बिहार में खगरिया सबडिवीजन, सहरसा जिले के दक्षिणी भाग, भागलपुर के उत्तरी भाग, कोसी तटबन्ध के भीतरी हिस्से और पूर्निया जिले के गंगा के किनारे के भाग का बाढ़ की राजधानी कहा जाता है। उस क्षेत्र में से कोई सड़क नहीं बनाई जा रही है और रेलवे लाइन हमेशा खतरे में रहती है। मुझे हाल ही में उस इलाके का दौरा करने का मौका मिला है। इस तरह की भयंकर बाढ़ शायद वही नहीं आई थी। मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार इस प्रकार की बाढ़ों को स्थायी रूप से रोकने के लिए कौनसी व्यवस्था करने जा रही है। बाढ़ से दहां पर हर साल जो बर्बादी होती है और ख़ास कर वहां पर इस साल जो बड़े पैमाने पर बर्बादी हुई है, उसकी क्षतिपूर्ति करने के लिए सरकार कौन सी ठोस व्यवस्था करने जा रही है ?

DR. K. L. RAO: The hon. Member is very correct when he says that this area has a large number of rivers—Kosi, Kamalbalan and Buri Gandak. Because of that, this area is heavily affected by floods every year. Therefore, all the possible measures are taken to reduce the intensity of the floods. I cannot say that floods can be avoided in this vital area but we can reduce their effects.

**श्री यमुना प्रसाद मण्डल :** 1948 के बाद यह सब से भयंकर बाढ़ है। दिस फ्लड इज दि मोस्ट कैलोमिट्सद इन दि हिस्ट्री आफ गंगा। सिचाई मंत्री, डा० राव, ने बाढ़ से पहले ही पार्लियामेंट में अपने कार्यालय में बड़े बड़े प्रमुख इंजीनियरों और श्री योगन्द्र शर्मा आदि कई सदस्यगण की मीटिंग बुलाई थी। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या उसका कुछ असर बिहार सरकार पर पड़ा है। इस बाढ़ से बहुत क्षति हुई है। दरभंगा जिले के केवल समस्तीपुर सबडिवीजन में मुह्युद्दीन नगर और पटौरी ब्लाक

में हजारों मानानां आर मवेशियों को हानि हुई है आर सात अमल्य मानव प्राणों को क्षति हुई है। लेकिन अभी तक इस क्षेत्र में प्रतिक की पूर्ण व्यवस्था नहीं का गई है।

**SHRI J. B. KIRPALANI:** Sir, unless you stop this flood of words, we will be swamped.

**MR. SPEAKER:** I am sorry, you have to put up with it for some time.

**DR. K. L. RAO:** A large number of flood control works have been taken up in Bihar. So far, the maximum amount of money that has been spent in any part of India has been in Bihar. In spite of that, if flood damages occur, we cannot help it. Floods are still continuing to cause damage but we hope that after some years, floods will become less dangerous . . . (Interruptions).

**MR. SPEAKER:** He is very keen to reply and they are very keen to ask.

**SHRI S. S. KOTHARI:** The Khagaria floods are very serious but I should like to draw the attention of the hon. Minister to the equally serious floods in my constituency, Mand-saur . . . (Interruption). Floods mean considerable suffering to the people . . . (Interruption). I have submitted a letter to you and you have forwarded it to him. The Minister has given a statement but in the statement wrong information has been given. He has stated that there is no loss of property. I have visited Mand-saur and have seen hundreds of houses damaged. Huts have been swept away but the huts of the poor people are not regarded as property by this Minister. It is a very serious matter. We are deeply concerned about the happenings in our constituency. That is why we come here to represent the matter. I will request the Minister to reconsider the whole matter, find out what the exact facts are and give a correct assessment and not mislead the House; otherwise, I will bring a matter of privilege. People in my constituency are very seriously affected.

I do not generally lose my temper. But I would like to tell him that he must ascertain the correct facts and place them before the House.

**MR. SPEAKER:** I quite realise the anxiety of Members about the flood situation in their constituencies but how can a very innocent and humble question about two towns be stretched to all States? You will have an opportunity of a debate tomorrow. I am saying that repeatedly. My main object in cutting short the Agenda today was to see that we finish the official business today so that tomorrow could be devoted to this.

**SHRI S. KANDAPPAN:** You have promised many people. I think, it will be impossible.

**MR. SPEAKER:** I think, we will be able to accommodate all. Most of them have already participated in it; those who have not, will be given a chance.

#### WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

##### Full-fledged Tourist Directorates in States

\*813. **SHRI MUHAMMAD SHE-RIFF:** Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that full-fledged Tourist Directorates exist only in the States of Bihar, Jammu and Kashmir, Rajasthan and West Bengal; and

(b) if so, the time by which Government propose to set up such Directorates in all the remaining States to facilitate the tourists in the country?

**THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH):** (a) In addition to the States of Bihar, Jammu & Kashmir, Rajasthan and West Bengal, full-fledged Tourist Directorates also exist in the States of Assam, Kerala, Madhya Pradesh and Maharashtra and in the Union Territory of Himachal Pradesh.

(b) The Tourist Development